हाथी और चिड़िया

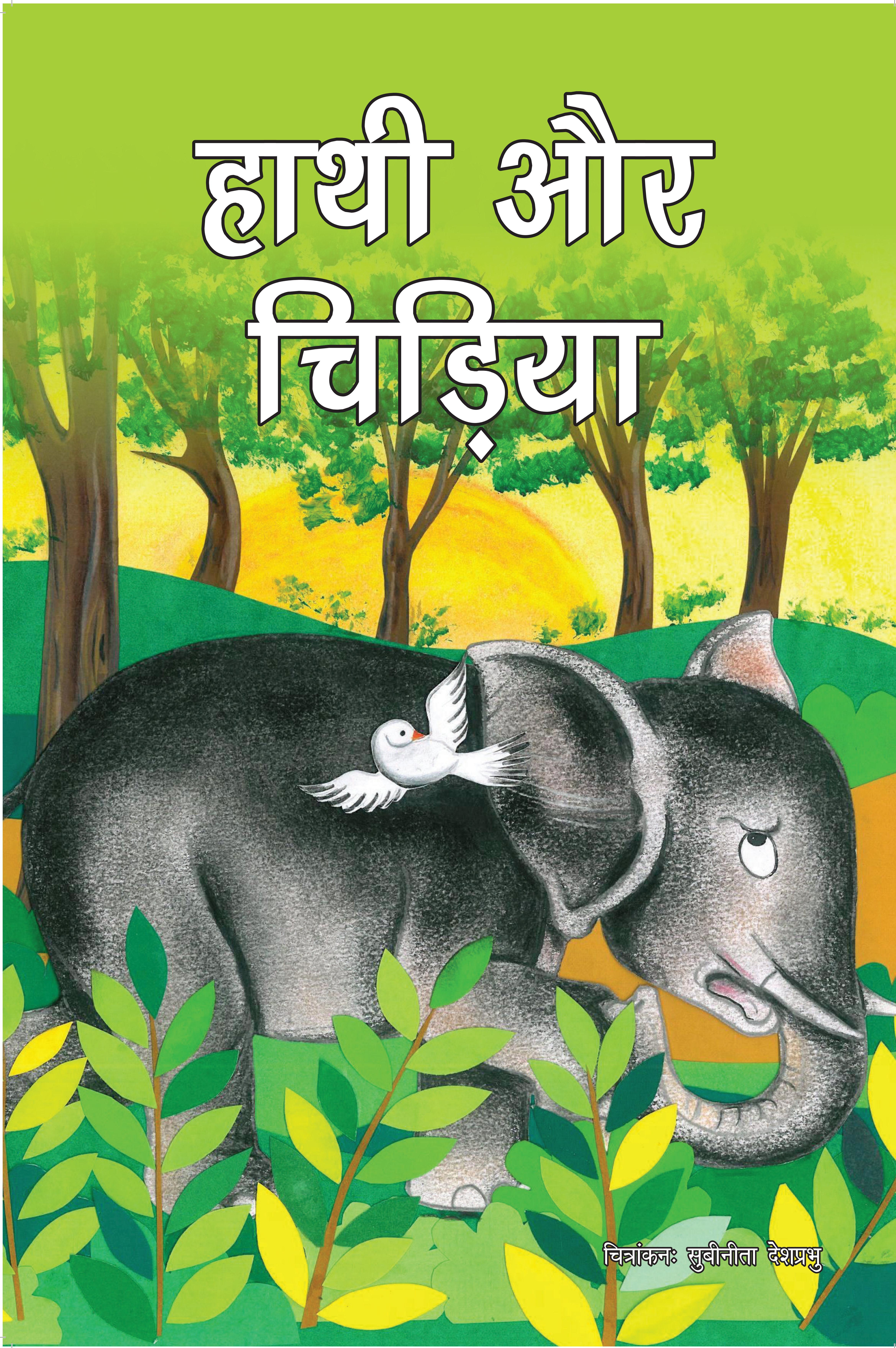

चित्रांकनः सुबीनीता देशप्रभु

Copyright © Language and Learning Foundation 2019
All rights reserved.

एक पेड़ पर चिड़िया और उसके बच्चे रहते थे। उस पेड़ के आसपास हाथी घूमता था।

हाथी रोज पेड़ से अपनी पीठ घिसता था।
इससे पूरा पेड़ हिल जाता था।

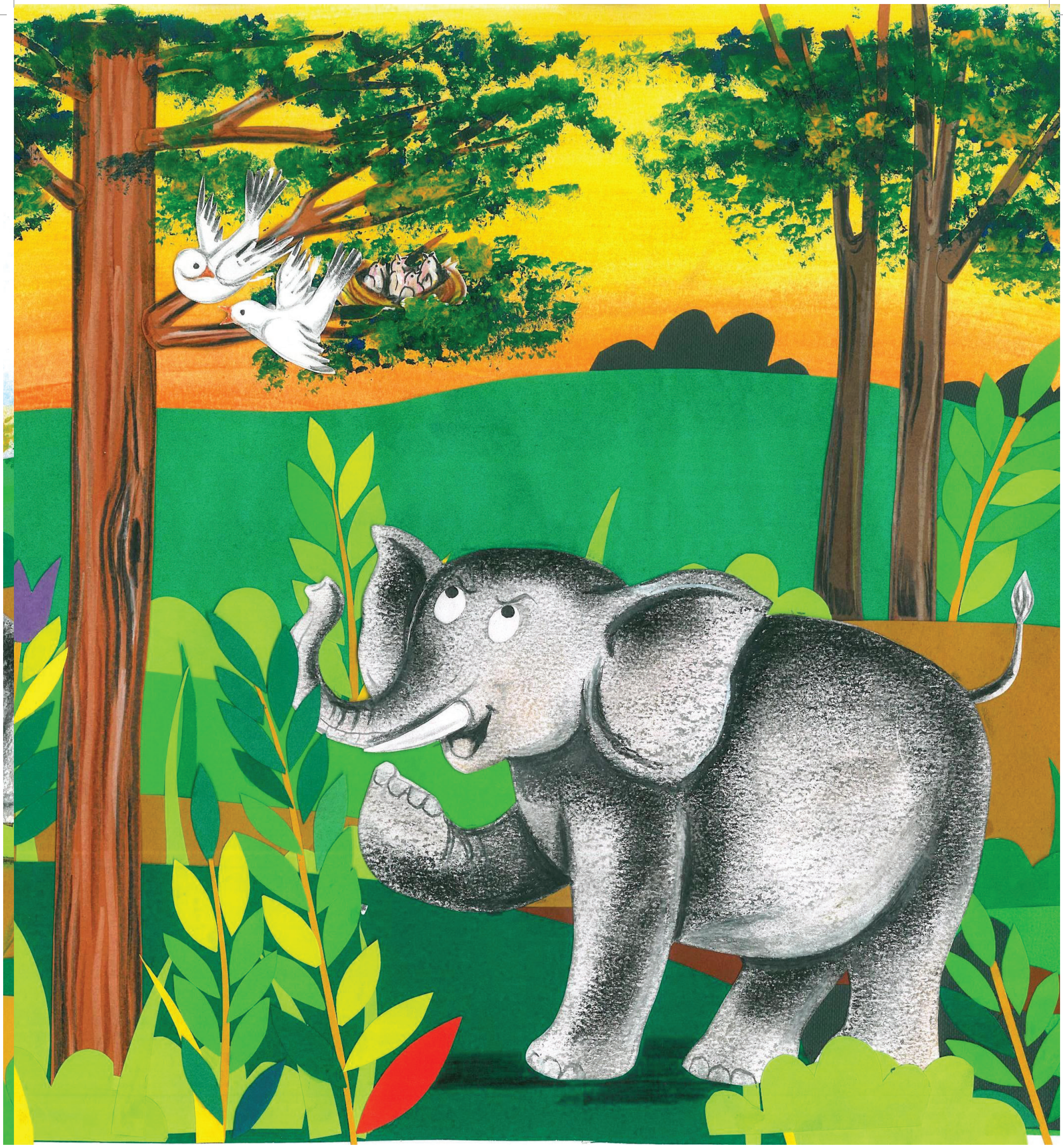

पेड़ के हिलने से चिड़िया परेशान थी। उसे पेड़ से अपने बच्चों के गिरने का डर था।

चिड़िया को एक तरकीब सूझी।
वह हाथी के पास गई।

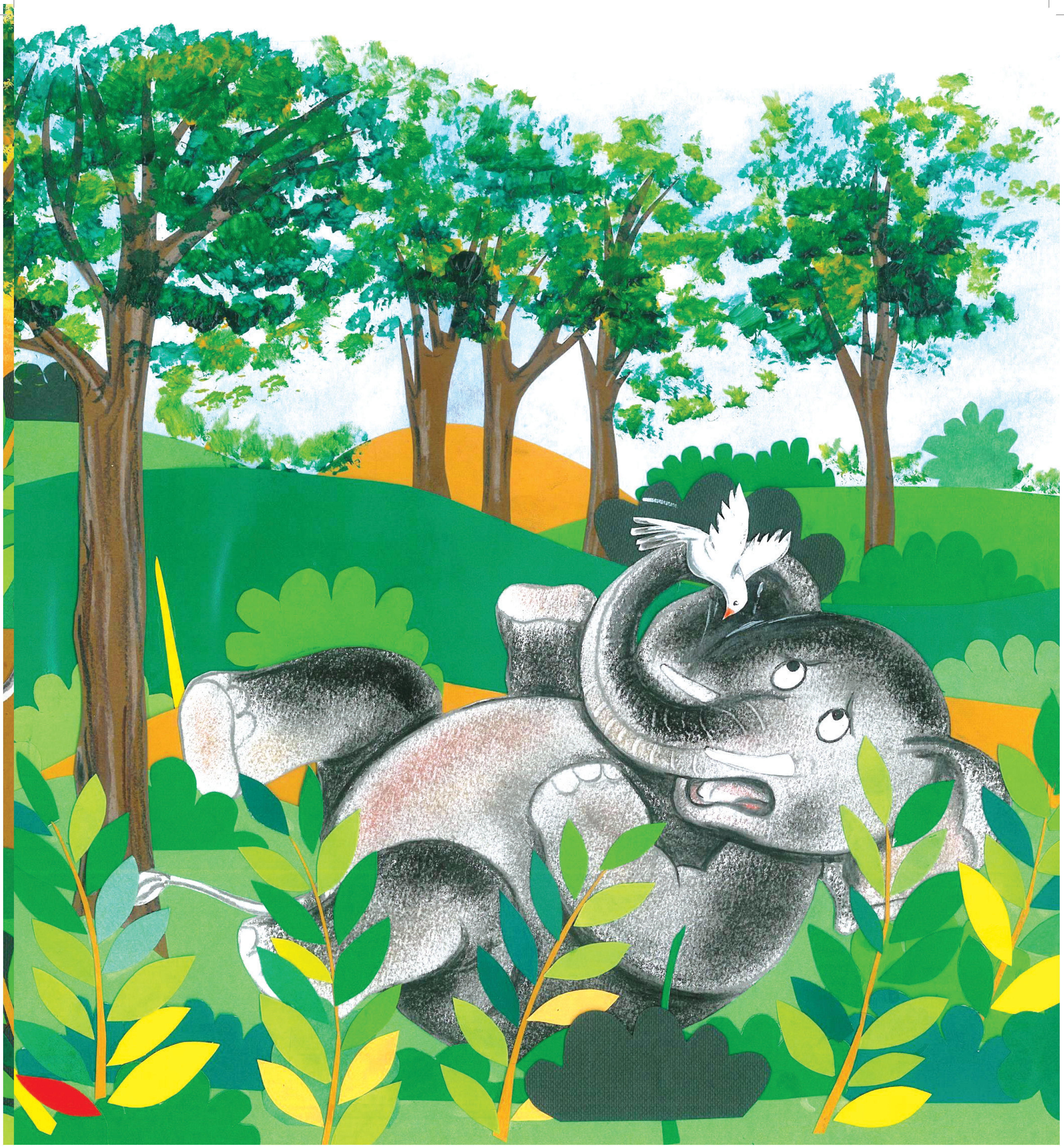

चिड़िया हाथी के कान में घुस गई।
हाथी पछाड़ खाकर नीचे गिर गया।

थोड़ी देर बाद चिड़िया कान में से
निकल आई।

हाथी वहां से निकल गया। अब उसने पेड़ पर पीठ घिसना बंद कर दिया।

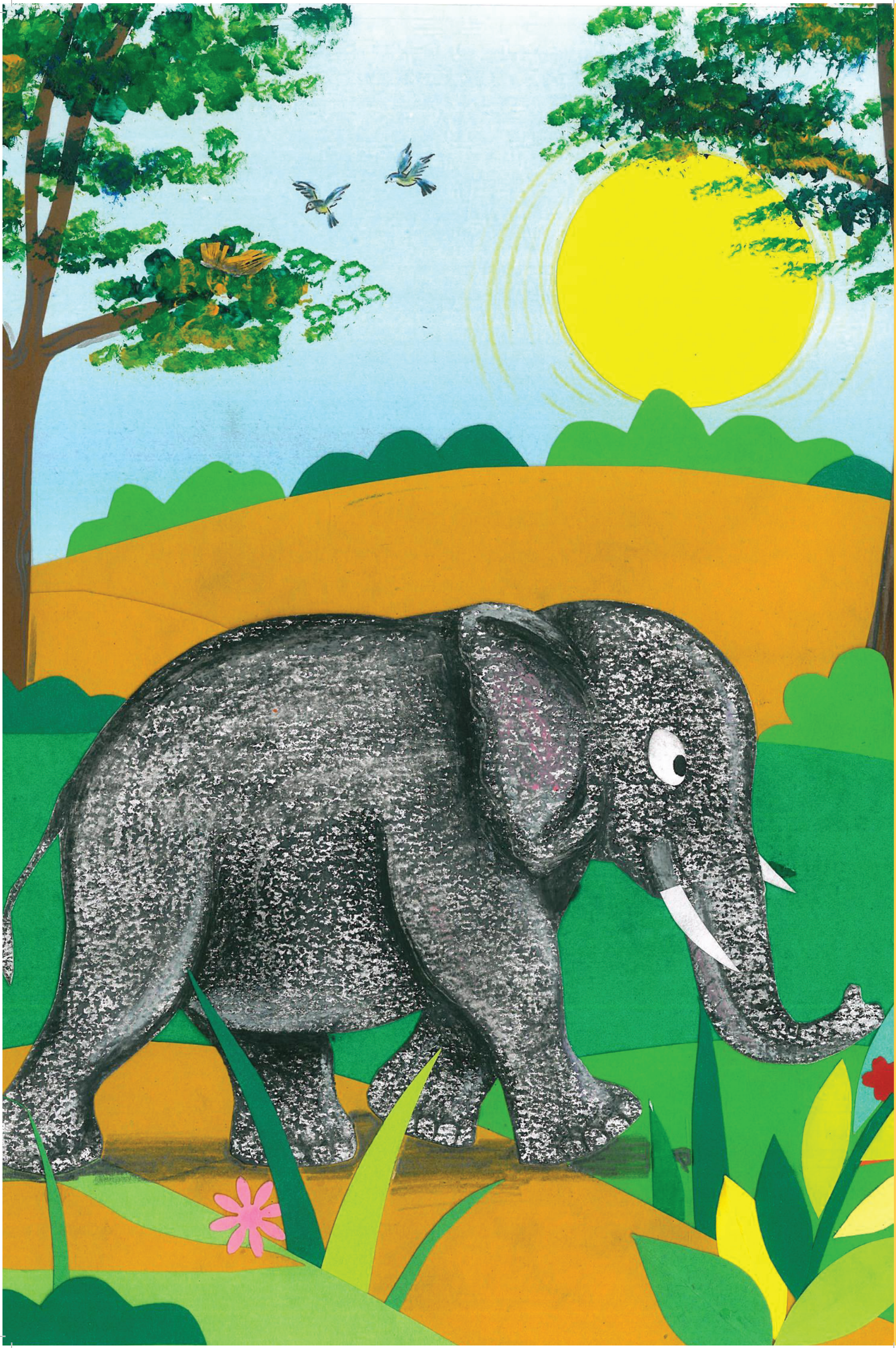

हाथी और चिड़िया

एक पेड़ पर चिड़िया और उसके बच्चे रहते थे। उस पेड़ के आसपास हाथी घूमता था। हाथी रोज पेड़ से अपनी पीठ घिसता था। इससे पूरा पेड़ हिल जाता था। पेड़ के हिलने से चिड़िया परेशान थी। उसे पेड़ से अपने बच्चों के गिरने का डर था। वह हाथी के पास गई। चिड़िया हाथी के कान में घुस गई। हाथी पछाड़ खाकर नीचे गिर गया। थोड़ी देर बाद चिड़िया कान में से निकल आई। हाथी वहां से निकल गया। अब उसने पेड़ पर पीठ घिसना बंद कर दिया।

हाथी अऊ चिरई

एक ठन रूख म चिरई अऊ ओकर पिला मन राहय। ओ रूख के तीर म हाथी ह घुमें। हाथी ह रोज अपन पीठ ल रूख म रगड़य। एकर सती रूख ह अब्बड़ हालय। रूख के हाले ले चिरई परेशान रिहिस।ओमन ल अपन पिला मन के गिरे के डर रिहिस। चिरई ल एक ठन उपाय सूझिस।ओ हा हाथी के तीर गिस। चिरई हाथी के कान म खुसर गे। हाथी ह धड़ाम ले गिरगे। थोरकुन देरी म चिरई हाथी के कान ले निकल गे। हाथी उहां ले भाग गे। अब ओहा रूख म पीठ रगड़े बर छोड़ दिस।

Designed by www.stelladesignandprint.com

LLF Language and Learning foundation

शिक्षा का अधिकार
सब पढ़ें सब बढ़ें